बदलाव का जोखिम

राहुल गांधी ने बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफे की घोषणा कर करीब एक महीने से बनी असमंजस की स्थिति को समाप्त कर दिया है। इस आशय वाले अपने पत्र में उन्होंने लिखा है कि प्रतिद्वंद्वियों को हम तब तक नहीं हरा सकते जब तक सत्ता की चाहत छोड़कर विचारधारा की एक बड़ी लड़ाई लड़ने का मन नहीं बनाते। राहुल के इस फैसले के बाद कांग्रेस को अब अपने नए अध्यक्ष का चुनाव करना है। पार्टी संविधान के अनुसार, अध्यक्ष पद खाली रहने की स्थिति में पार्टी का सबसे वरिष्ठ महासचिव अस्थायी तौर पर अध्यक्ष का कामकाज संभाल लेता है। लेकिन कांग्रेस को लेकर देशभर में उत्सुकता यह है कि पार्टी का नेतृत्व गांधी-नेहरू परिवार से बाहर के किसी व्यक्ति के हाथ में जाने पर क्या वह एकजुट रह पाएगी? बीती आधी सदी का पार्टी इतिहास यही बताता है कि जब-जब उसकी कमान गांधी-नेहरू परिवार से बाहर गई, पार्टी खंडित हुई।

पार्टी के भीतर कई समानांतर सत्ताएं उठ खड़ी हुईं और गांधी-नेहरू परिवार के वफादार लोग पार्टी अध्यक्ष के लिए प्राणांतक सिरदर्द बन गए। इसीलिए धीरे-धीरे करके यह मान लिया गया कि कांग्रेस तभी एकजुट रह सकती है जब गांधी-नेहरू फैमिली का छाता उस पर तना रहे। पार्टी को वोट भी अब तक काफी कुछ इस परिवार के करिश्मे से ही मिलते रहे हैं। इसके अलावा सत्ता भी इसके बचे रहने की एक बड़ी वजह बनी रही। लेकिन अभी हालात एकदम बदल गए हैं। बदलती सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों ने वोटरों का मिजाज बदल दिया है। लोगों को पता है कि कौन उनसे निरंतर संवाद कर रहा है। किससे वे अपने दुख-सुख का साझा कर सकते हैं। यानी पार्टियों का सिर्फ चुनाव में दिखना काफी नहीं है। हर दिन की सक्रियता उनके लिए जरूरी हो गई है। इसके लिए मजबूत जमीनी संगठन उनके पास होना चाहिए, जिसे खड़ा करना कांग्रेस भूल चुकी है।

स्थानीय इकाइयों के चुनाव के नाम पर वहां बस रस्म-अदायगी होती है। ज्यादातर जिलों में संगठन कागज पर चल रहा है। एक समय कांग्रेस में क्षेत्रीय नेताओं की भरमार हुआ करती थी, जो जनता से जमीनी संवाद के दम पर पार्टी को वोट दिलाया करते थे। ऐसे नेताओं का अब वहां घोर अभाव हो गया है और हर बात में आलाकमान का मुंह ताकने का चलन चल पड़ा है। अच्छा होता कि राहुल गांधी अपने त्यागपत्र में इन मुद्दों पर बात करते। इससे नए अध्यक्ष के सामने उसका कार्यभार स्पष्ट होता। नेहरू-गांधी परिवार से बाहर का कोई नेता कांग्रेस को अच्छी तरह चला सकता है, बशर्ते यह परिवार पार्टी में उसकी अथॉरिटी स्थापित होने दे। इसमें कोई शक नहीं कि गांधी-नेहरू परिवार मौजूदा कांग्रेस की रीढ़ है। पार्टी के भीतर नई कार्य संस्कृति उसकी कोशिशों से ही आएगी। लेकिन यह काम उसे खुद को पीछे रखते हुए करना होगा। नए अध्यक्ष के नेतृत्व में अगर कांग्रेस के भीतर जमीनी कामकाजी टीम स्पिरिट पैदा की जा सकी तो यह भारतीय लोकतंत्र के लिए भी एक खुशखबरी होगी।

सोने के रेट में बंपर इजाफा, 35 हजार के पार हुआ

नईदिल्ली (आरएनएस)। आम बजट में बढ़ाए गए सीमा शुल्क के कारण सोने के दामों में बढ़ोतरी हो गई है। आज सोने का रेट 1300 रुपये बढ़कर 35470 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। पहले ये रेट 34 हजार के करीब था। सोने के रेट में ये वृद्धि उन लोगों के लिए मुसीबत का कारण जिन्होंने विवाह के लिए गहने बनवाने हैं। दरअसल शुक्रवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में सोने और अन्य बहुमूल्य धातुओं पर सीमा शुल्क 10 से बढ़ाकर 12.5 प्रतिशत करने का प्रस्ताव किया। सरकार ने यह प्रस्ताव ऐसे समय में दिया है जबकि घरेलू आभूषण उद्योग आयात शुल्क में कटौती की मांग कर रहा था। पूर्व में वाणिज्य मंत्रालय भी आयात शुल्क में कटौती की सिफारिश कर चुका है।

इससे पहले बजट में सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर दो-दो रुपये शुल्क बढ़ाने से शनिवार को इनकी कीमत करीब ढ़ाई रुपये बढ़ गयी।राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 2.45 रुपये बढ़कर 72.96 रूपये प्रति लीटर पर पहुंच गया यह आठ मई के बाद का इसका उच्चतम स्तर है। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कारपोरेशन से मिली जानकारी के अनुसार यहां डीजल भी 2.36 रुपये महंगा होकर 66.69 रुपये प्रति लीटर हो गया जो चार मई के बाद का इसका उच्चतम स्तर है। सरकार ने पेट्रोल डीजल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क एक-एक रुपये और सड़क एवं ढांचागत उपकर एक-एक रुपये बढ़ाया है। इससे देश के अन्य हिस्सों में भी दोनों जीवाश्म ईधनों के दाम बढ़े है।

विदेशों में सप्ताहांत पर सोने में रही बड़ी गिरावट भी स्थानीय बाजार में पीली धातु को बढ़त में जाने से नहीं रोक सकी। लंदन एवं न्यूयॉर्क से मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को सोना हाजिर 23.10 डॉलर लुढ़ककर 1,399.65 डॉलर प्रति औंस रह गया। अगस्त का अमेरिकी सोना वायदा 19.70 डॉलर की गिरावट के साथ बाजार बंद होते समय 1,401.20 डॉलर प्रति औंस पर रहा। बाजार विश्लेषकों ने बताया कि अमेरिका में रोजगार के मजबूत आँकड़े आने से सोने पर दबाव रहा। वहाँ जून में एक बार फिर बेरोजगारी में अच्छी गिरावट आयी है। शुक्रवार को जारी इस आँकड़े से अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम हुई है और सोने पर दबाव बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सप्ताहांत पर चाँदी हाजिर भी 0.34 डॉलर लुढ़ककर 14.97 डॉलर प्रति औंस रह गयी।

बजट के दिन निवेशकों के 2.23 लाख करोड़ डूबे

नई दिल्ली। शुक्रवार को सरकार का बजट शेयर मार्केट के निवेशकों को बिल्कुल पसंद नहीं आया. यहीं वजह है कि शुक्रवार को शेयर मार्केट भारी गिरावट के साथ बंद हुआ. शुक्रवार को बाजार में भारी बिकवाली की वजह से निवेशकों के 2,22,579.67 करोड़ रुपये डूब गए.

शुक्रवार को BSE सेंसेक्स करीब 395 अंक लुढ़ककर बंद हुआ और हृस्ब के प्रमुख संवेदी सूचकांक निफ्टी में भी एक फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई.

बंबई स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 394.67 अंकों यानी 0.99 फीसदी की गिरावट के साथ 39,513.39 पर बंद हुआ, जबकि बजट पेश होने से पहले सुबह सेंसेक्स मजबूती के साथ 39,990.40 पर खुला और 40,032.41 तक उछला.

नये भारत के निर्माण में भागीदारी के लिए सेल तैयार : चौधरी

नईदिल्ली (आरएनएस)। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल) के अध्यक्ष अनिल कुमार चौधरी ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष का बज़ट इस्पात उद्योग तथा उसके सहायक उद्योगों को मजबूती प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगा तथा उनका संगठन नये भारत के निर्माण में अपनी हर तरह की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

चौधरी ने शनिवार को यहाँ कहा कि सरकार की तरफ से बुनियादी ढाँचा योजनाओं में हर साल करीब 20 लाख करोड़ रुपये के निवेश पर बल दिया गया है, जो निश्चित रूप से इस्पात की खपत को बढ़ाने में मददगार साबित होगा। इससे न केवल देश में इस्पात उद्योग बल्कि सहयोगी उद्योगों को काफी मजबूती मिलेगी। सरकार ने अगले पाँच वर्ष में 50 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य तय किया है, जो देश की अर्थव्यवस्था को और मजबूत करने का काम करेगा।

उन्होंने कहा कि बजट में वर्ष 2030 तक रेलवे के ढाँचागत विकास को बेहतर करने के लिए करीब 50 लाख करोड़ रुपये की ज़रूरत बताई है। इसके साथ ही सरकार ने सड़क परिवहन को और अधिक सुदृढ़ करने पर बल दिया है। इस बजट में इंडस्ट्रियल कॉरीडोर, डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर, भारतमाला, सागरमाला, उड़ान और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी परियोजनाओं में और अधिक निवेश के संकेत दिये गये हैं। सरकार ने बिजली आपूर्ति को मिशन मोड में लिया है तथा 'वन नेशन, वन ग्रिड' का लक्ष्य तय किया है। इससे निश्चित ही देश की बड़ी परियोजनाओं और निर्माणों में इस्पात की खपत में बड़ी बढ़ोत्तरी होगी।

ब्याज के साथ जमा करवाने होंगे 7300 करोड़ रुपए

» नीरव मोदी को एक और झटका

नईदिल्ली (आरएनएस)। भगोड़ा हीरा कारोबारी नीरव मोदी की मुश्किलें कम होती नहीं दिख रही है। ऋण वसूली अधिकरण (डीआरटी) पुणे ने आज भगोड़ा हीरा कारोबारी नीरव मोदी को झटका देते हुए उसे और उसके सहयोगियों को पीएनबी को ब्याज के साथ 7300 करोड़ रुपये की राशि चुकाने को एक आदेश पारित किया है।

इससे पहले सिंगापुर उच्च न्यायालय ने नीरव मोदी को झटका देते हुए ब्रिटिश वर्जिन आईलैंड में पंजीकृत पवेलियन प्वाइंट कॉर्प कंपनी के खाते को फ्रीज करने का आदेश दिया था। यह खाते नीरव मोदी के बहन-बहनोई के है और इनमें 44.41 करोड़ रुपये मौजूद हैं। अदालत ने यह आदेश ईडी के उस अनुरोध पर दिया जिसमें कहा गया था कि इस खाते में मौजूद राशि जालसाजी और अपराध से अर्जित है. ईडी ने जानकारी दी थी कि इस खाते में रकम पंजाब नेशनल बैंक से किए गए घोटाले के जरिए अवैध तौर पर भेजी गई है।

गौरतलब है कि स्विट्जरलैंड के अधिकारियों ने नीरव मोदी के खिलाफ चल रहे मनी लांड्रिंग मामले में कार्रवाई करते हुए 27 जून को नीरव और उसकी बहन के चार स्विस खातों पर लेनदेन से रोक लगा दी थी। बताया गया कि इन खातों में कुल 283.16 करोड़ रुपये जमा हैं।

सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हुआ पाकिस्तान

» न्यूजीलैंड को मिला अंतिम-4 का टिकट

लंदन (आरएनएस)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम आधिकारिक तौर पर आईसीसी विश्व कप-2019 से बाहर हो गई है। उसके बाहर जाने से न्यूजीलैंड को आधिकारिक तौर पर अंतिम-4 का टिकट मिल गया है। सेमीफाइनल में जाने के लिए पाकिस्तान को शुक्रवार को बांग्लादेश के खिलाफ लॉर्डस स्टेडियम में आठ रनों के कुल स्कोर पर ऑल आउट करना था लेकिन ऐसा नहीं हो सका और जैसे ही तमीम इकबाल ने मोहम्मद आमिर की गेंद पर एक रन ले बांग्लादेश का स्कोर आठ रन तक पहुंचाया तभी पाकिस्तान सेमीफाइनल से बाहर हो गई। पाकिस्तान ने इमाम उल हक के शानदार शतक की मदद से 315 रन बनाए थे।

किस्तान अगर बांग्लादेश को 8 रन के नीचे आउट कर देता तो उसका अंक न्यूजीलैंड (11) के बराबर और नेट रन रेट न्यूजीलैंड से बेहतर हो जाता। ऐसी स्थिति में पाकिस्तान को सेमीफाइनल खेलने का मौका मिल जाता। न्यूजीलैंड से पहले मौजूदा विजेता आस्ट्रेलिया, भारत, मेजबान इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं।

बजट के बाद पेट्रोल 2.45 रुपये और डीजल 2.36 रुपये महंगा

नई दिल्ली (आरएनएस)। बजट में पेट्रोल, डीजल पर उत्पाद शुल्क और उपकर बढ़ाए जाने के बाद शनिवार को पेट्रोल का दाम 2.40 रुपये और डीजल का दाम 2.36 रुपये प्रति लीटर बढ़ गया। उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को लोकसभा में 2019-20 का बजट पेश करते समय अंतराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में गिरावट के रुख को देखते हुए घरेलू स्तर पर दोनों ईंधनों पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क और सड़क एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर सेस में एक-एक रुपये की वृद्धि कर दी। इससे दोनों ईंधनों के दाम प्रति लीटर दो-दो रुपये बढ़ गए।

इसके ऊपर राज्यों में वैट भी लगता है। दोनों कर शनिवार से प्रभाव में आ गए। इसके बाद दिल्ली में पेट्रोल का दाम 2.45 रुपये लीटर बढ़कर 72.96 रुपये लीटर हो गया जबकि मुंबई में यह वृद्धि 2.42 रुपये लीटर बढ़कर 78.57 रुपये प्रति लीटर रही। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इंडियन आयल कार्पोरेशन ने इस संबंध में मूल्य अधिसूचना जारी की है।

कोलकाता में पेट्रोल का दाम 2.40 रुपये लीटर बढ़कर 75.15 रुपये लीटर और चेन्नई में 2.57 रुपये लीटर बढ़कर 75.76 रुपये लीटर हो गया। शुल्क वृद्धि के बाद दिल्ली में डीजल 2.36 रुपये बढ़कर 66.69 रुपये लीटर और मुंबई में 2.50 रुपये लीटर बढ़कर 69.60 रुपये लीटर हो गये। राज्यों में स्थानीय कर अथवा मूल्य वर्धित कर (वैट) अलग-अलग होने की वजह से पेट्रोल, डीजल के दाम में अंतर रहता है।

इसके अलावा भारत पेट्रोलियम और हिन्दुस्तान पेट्रोलियम के पेट्रोल पंपों पर कुछ पैसे का अंतर भी रखा जाता है। बजट में शुल्क बढ़ाने से पहले पेट्रोल पर कुल उत्पाद शुल्क 17.98 रुपये प्रति लीटर था। इसमें 2.98 रुपये मूल उत्पाद शुल्क, 7 रुपये विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क और आठ रुपये सड़क एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर सेस लगा था। बजट के बाद विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क एक रुपये बढ़कर 8 रुपये और सड़क एवं अवसंरचना उपकर आठ से बढ़कर 9 रुपये प्रति लीटर हो गया। इससे कुल उत्पाद शुल्क दो रुपये बढ़कर 19.98 रुपये लीटर हो गया।

इसी प्रकार बजट से पहले डीजल पर कुल उत्पाद शुल्क 13.83 रुपये लीटर था। इसमें मूल उत्पाद शुल्क 4.83 रुपये, विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क एक रुपये और सड़क उपकर आठ रुपये प्रति लीटर था। उत्पाद शुल्क और सड़क उपकर एक- एक रुपये बढ़ने के बाद कुल शुल्क 15.83 रुपये लीटर हो गया।

केले से बनायें चटपटे पेटीस

हर कोई अलग-अलग स्वाद चखने का शौकिन होता है जिन्हे चखने से हमारा दिन अच्छा बीतता है। केला भला किसे पसंद नहीं होता। आमतौर पर केला सभी के घर में मिलता है। ये ना ही स्वाद बल्कि हमारे स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होता है। आज हम आपको केले की पेटीस बनाने के बारे में बताने जा रहे हैं-

सामग्री-

- 2-3 पके केले के छिलके,
- एक-दो हरी मिर्च (बारीक कटी हुई),
- पाव टुकड़ा अदरक (कद्दूकस किया हुआ),
- 1 चम्मच सौंफ, चुटकीभर हींग,
- 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर,
- चुटकीभर हल्दी पाउडर,
- हरी धनिया,
- बेसन आवश्यकतानुसार,
- नमक और तलने के लिए तेल।

विधि- सबसे पहले पके हुए केले के छिलकों को पानी में उबाल कर, पानी निथार लें। फिर इसमें बेसन, मसाले, कटी हरी मिर्च व हरा धनिया डालकर अच्छी तरह फेंट लें। अब इसकी गोल-गोल बॉल्स बनाकर रख लें। एक कढ़ाही में तेल गरम करके कुरकुरे पेटिस तल लें। तैयार गरमा-गरम चटपटे केले के पेटिस को टोमेटो सॉस, हरी धनिया और इमली की चटनी के साथ पेश करें।

शब्द सामर्थ्य- 17

बाएं से दाएं

1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे

1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबाज, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थिति प्रसिद्ध जेल।

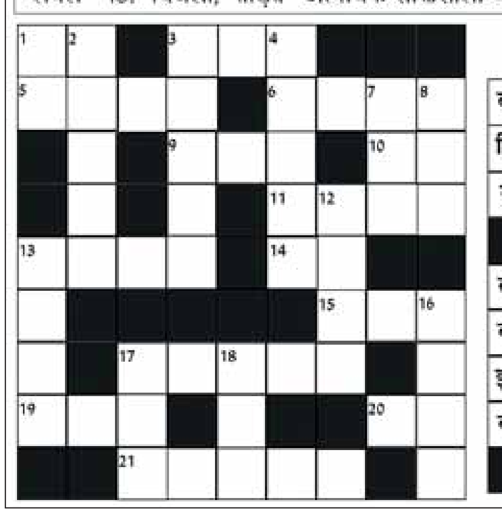

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 16 का हल

वा	स्ता			सि	स	की		
जि		ल	प	ट		मा	चि	स
ब	द	ला		क			ल	
		ट		नी	ल	क	म	ल
ता	ली		का		की			हू
क		स	रो	का	र			लु
झां		ज	बा	न		म	सी	हा
क	च	ना	र		भा	यों		न
	र्म			ज	र	दा		

सू-दोकू- 17

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है। 2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र[illegible] सकते है। 3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.16 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

आज का राशिफल

मेषः- आपका भौतिक और सांसारिक दृष्टिकोण आज के दिन कुछ बदल सकता है। किसी व्यक्ति को देख आपके मन में संवेदना, प्रेम और सद्भावना जन्म ले रही है।

वृषभः- आज आप ऐसे स्वार्थी व्यक्ति से टकरा सकते हैं, जो आपसे बार-बार फायदा उठाता रहा है। जहां तक हो सके अपनी जमा पूंजी पर सही नियंत्रण रखें।

मिथुनः- अपने कार्यस्थल में ट्रांसफर आपके लिए एक अच्छा मोड लेकर आ रहा है। किसी के प्रति निष्ठा रखने से आप लोगों का दिल जीत सकते हैं।

कर्कः- आजकल आपके पास अनेक प्रकार के लोग आश्रय लेने आ रहे हैं। अतिथि भी कुछ अधिक ही लंबा पड़ाव डालना चाहते हैं। इस वक्त आप अपने पूरे मान-सम्मान से सभी को आदर सत्कार की इच्छा पूरी कर दें।

सिंहः- इस वक्त आपके लिए व्यवस्था और जीवन यापन के कई सवाल सामने रहेंगे। घरेलू स्तर पर आपको काफी उतार चढ़ाव देखना है।

कन्याः- आज का दिन आपके कामकाज को सुधार लाने में विशेष योगदान दे रहा है। किसी जानकार मित्र की सलाह पर आप अपने बिगड़े हुए काम को ठीक कर सकते हैं।

तुलाः- जहां तक हो सके अपने बलबूते पर ही अपनी समस्याओं का हल निकालें क्योंकि दूसरे का सहारा लेकर या शासन के बल पर कुछ कर लेने से अधिक दिनों तक प्रभाव कायम नही रहता।

वृश्चिकः- व्यापार व व्यवसाय की तरफ नजर रखना आपकी काम की पहली प्राथमिकता है। आज दोपहर तक आप अपना बिखरा हुआ कारोबार सही तरीके से समेट लें।

धनुः- सभी काम भगवान के भरोसे रखकर नहीं चलना चाहिए। कुछ अपनी तरफ से भी हाथ पांव मारने जरूरी है। ईश्वर उनकी मदद करता है जो अपनी मदद आप करते हैं।

मकरः- आपके सभी कार्यों में शुरुआती दौर बहुत तेजी से आगे बढ़ता है और जब आप इसमें अपने फायदे का इंतजार करते हैं तो आपके काम अटक जाते हैं।

कुंभः- आज जिस स्तर पर कार्यरत हैं वहां पर चुप रहना ही अधिक कुशलता का सूचक है। लेकिन ऐसी जगह पर काफी लंबे समय तक काम करना किसी के लिए भी संभव नहीं।

मीनः- सुख आराम की इच्छा सभी की होती है लेकिन यह तोहफा पहले कुछ परिश्रम करने से ही मिलता है।